5 सजग बच्चे

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए**— दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।

2. **बताइए**

क. पार्क कहाँ पर था? उ. पार्क एक शहर में था।

ख. पार्क में किसकी चहल-पहल रहती थी? उ. पार्क में लोगों और बच्चों की चहल-पहल रहती थी।

ग. पार्क में किसका पौधा था? उ. पार्क में चमेली का पौधा था।

3. **सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न**

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. बच्चों ने कूड़ा ···डस्टबिन में··· डाला? ✓ डस्टबिन में

ख. भारत के बच्चे ···सजग··· बन रहे हैं। ✓ सजग

ग. चमेली का पौधा ···हवा से··· हिलने लगा। ✓ हवा से

2. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

क. पार्क क्यों उदास था?

उ. बच्चों के गंदगी फैलाने के कारण पार्क उदास था।

ख. चमेली के पौधे को पार्क में क्या नज़र आया?

उ. चमेली के पौधे को पार्क में गंदगी नज़र आई।

ग. बच्चे क्या समझ चुके थे?

उ. बच्चे समझ चुके थे कि उन्हें अपने आसपास कचरा नहीं फैलाना चाहिए।

3. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. जानवर पार्क में क्यों आ जाते थे?

उ. बच्चे पार्क में गंदगी फैलाने लगे थे। उसी गंदगी के कारण जानवर पार्क में आ जाते थे।

ख. पार्क में कैसा शोर था?

उ. पार्क में एक साथ अनेक बच्चे आ गए थे। वे बच्चे ही शोर मचा रहे थे।

ग. बच्चों ने पौधे से क्या कहा?

उ. बच्चों ने पौधे से कहा कि अब हम कभी यहाँ कचरा नहीं फैलाएँगे।

घ. गिरे हुए फूल-पत्ते पार्क को क्या फ़ायदा पहुँचाते हैं?

उ. गिरे हुए फूल-पत्ते पार्क की मिट्टी में मिलकर उसे उपजाऊ बनाते हैं। इस प्रकार वे उसे फ़ायदा पहुँचाते हैं।

4. **पाठ के अनुसार वाक्यों का क्रम 1, 2, 3, 4 लिखकर बताइए—**

क. पौधा हिलने लगा। 2

ख. पार्क खुश था। 5

ग. एक शहर में एक पार्क था। 1

घ. बच्चों ने कचरा न फैलाने का वादा किया। 4

ङ बच्चों ने पौधे और पार्क की बातें सुन लीं। 3

समझिए व्याकरण संबोध

1. **चित्र को देखकर दिए गए उलटे-पुलटे वर्णों से सही शब्द बनाइए—**

ड़ा कू र घ — ···कूड़ाघर···

पे पौ ड़ धे — ···पेड़-पौधे···

इ आ क्री स म — ···आइसक्रीम···

6 जाड़े की धूप

अभ्यास

बोलिए

1. **पढ़िए—** दिए गए शब्द बच्चों से पढ़वाएँ।
2. **बताइए**

क. धूप कहाँ से आती है?
उ. धूप आकाश के राजभवन से आती है।

ख. धूप प्यारी कब लगती है?
उ. जाड़े में धूप प्यारी लगती है।

ग. फुलवारी के लिए धूप क्यों ज़रूरी है?
उ. धूप के बिना फुलवारी मुरझा जाती है इसलिए उसके लिए धूप ज़रूरी है।

3. **सोचिए/मूल्यपरक प्रश्न**

✧ धूप को सूरज की राजदुलारी कहा गया है। आप अपने मम्मी-पापा के राजदुलारे/राजदुलारी बनने के लिए क्या करेंगे? कोई तीन बातें बताइए।

- मम्मी-पापा की बात मानेंगे।
- उन्हें सम्मान देंगे।
- मेहनत से पढ़ाई करेंगे। (उदाहरण के अनुसार छात्र अपने-अपने विचार लिखें)

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

क. धूप रवि की राजदुलारी है। ✓
ख. धूप रात को तेज़ हो जाती है। ✗
ग. गरमियों की धूप ठंडक देती है। ✗
घ. सरदियों की धूप गरमाहट देती है। ✓

2. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. नभ के राजा कौन हैं?
उ. नभ के राजा सूरज को कहा गया है। आकाश में सूरज का ही राज है।

ख. धूप सुबह-सुबह कहाँ चढ़ जाती है और फिर कहाँ पहुँच जाती है?
उ. धूप सुबह-सुबह ऊँचे महल और मकानों पर चढ़ जाती और फिर आँगन में पहुँच जाती है।

ग. कविता में धूप के बारे में कौन-कौन सी बातें कही गई हैं?
उ. धूप आकाश से आती है। जाड़े की धूप सबको अच्छी लगती है। धूप घर-आँगन में आती है। धूप के कारण ही पेड़-पौधों का विकास होता है, सुंदर फूल खिलते हैं।

घ. धूप कब हँसती-मुसकाती है?
उ. धूप सुबह सुंदर फुलवारी के रूप में हँसती-मुसकाती है।

3. **पंक्तियाँ पूरी कीजिए—**

क. ऊँचे महल ···अटारी धूप।···
ख. है सुंदर ···फुलवारी धूप।···
ग. भरती है ···किलकारी धूप।···

अब एक पंक्ति अपनी तरफ़ से भी जोड़ दीजिए—

घ. लगती सबसे न्यारी धूप। (उदाहरण के अनुसार छात्र अपनी पंक्ति जोड़ें।)

4. **कविता के क्रम के अनुसार 1, 2, 3, 4 लिखिए—**

क. रवि की राजदुलारी धूप। 2

ख. हम सबको है कितनी भाती, 3

ग. नभ के राजभवन से आती, 1

घ. जाड़े की यह प्यारी धूप। 4

समझिए व्याकरण संबोध

1. **इन मात्राओं के दो-दो शब्द चुनकर लिखिए—**

ु — सुबह ···सुंदर··· ···फुलवारी···

ू — सूरज ···धूप··· ···फूल···

2. **मीठी-मीठी, सुबह-सुबह इस प्रकार के चार शब्द लिखिए—**

···ताज़ी-ताज़ी··· ···जल्दी-जल्दी··· ···चलते-चलते··· ···काली-काली···

3. **रंगीन शब्दों के उलटे अर्थवाले शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए—**

ऊपर, खारी, नीचे, मुरझातीं

क. जाड़ों में धूप मीठी और गरमियों में ···खारी··· लगती है।

ख. धूप से ही कलियाँ खिलतीं और ···मुरझाती··· हैं।

ग. ···ऊपर···-नीचे सभी घरों में धूप जाती है।

घ. चिड़िया पेड़ के ऊपर और चूहा ···नीचे··· बैठा था।

4. **इनमें कौन-कौन से वर्ण जुड़े हुए हैं—**

क्ष ···क्··· + ···ष··· त्र ···त्··· + ···र···

ज्ञ ···ज्··· + ···ञ··· श्र ···श्··· + ···र···

5. **है या हैं लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—**

क. धूप किलकारी भरती ···है···।

ख. धूप हम सबको खूब भाती ···है···।

ग. धूप में कलियाँ खिल जाती ···हैं···।

घ. धूप में कपड़े सूख जाते ···हैं···।